

घटती संवृद्धि एवं जमाकर्त्ताओं को आकर्षित करने हेतु बैंक की रणनीतियाँ

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

जमा वृद्धि में मंदी और पूंजी बाजारों से बढ़ती प्रतस्पर्द्धा के बीच भारत में बैंकिक क्षेत्र द्वारा जमाकर्त्ताओं को आकर्षित करने तथा ऋण मांगों को पूरा करने के लिये विशेष रणनीतियाँ बनाई गई हैं।

- **भारतीय स्टेट बैंक (SBI)** जैसे प्रमुख बैंकों ने जमाशास्त्र में गरिब दरज़ की है, SBI के **चालू खाता और बचत खाता (CASA)** जमाशास्त्र 19.14 लाख करोड़ रुपए से घटकर 19.41 लाख करोड़ रुपए हो गई तथा कुल जमाशास्त्र 49.16 लाख करोड़ रुपए से घटकर 49.01 लाख करोड़ रुपए हो गई।
 - ऋण वृद्धि में **15.1% की वृद्धि हुई, जबकि जमा वृद्धि घटकर 10.6% रह गई**, जो एक महत्त्वपूर्ण अंतर को उजागर करता है।
- ग्राहक बेहतर रटिर्न के लिये **बैंक जमा की तुलना में पूंजी बाज़ार का विकल्प चुन रहे हैं**, जिसके कारण पारंपरिक जमा वृद्धि में गरिब आ रही है।
- घटती जमाशास्त्र को न्यतिरति करने के लिये SBI और बैंक ऑफ बड़ौदा जैसे बैंकों ने प्रतस्पर्द्धी ब्याज दरों (जैसे, 444 दिनों के लिये 7.25%) की पेशकश करते हुए विशेष जमा योजनाएँ शुरू कीं।
 - ये योजनाएँ ऐसे **जमाकर्त्ताओं को आकर्षित करने के लिये तैयार की गई हैं जो कम ब्याज दर पर अधिक रटिर्न चाहते हैं**।
- बैंक **वरषिष्ठ नागरिकों और महिलाओं जैसे वशिष्ठ वर्गों** को लक्षित कर रहे हैं तथा जमाशास्त्र को प्रभावी ढंग से जुटाने के लिये आकर्षक दरें व अतिरिक्त सुविधाएँ प्रदान कर रहे हैं।
- वतिर्त मंत्री ने केवल बड़ी रकम पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय छोटी जमाशास्त्रियों को जुटाने के महत्त्व पर ज़ोर दिया।

और पढ़ें: [RBI द्वारा जमा चुनौतियों पर हदियत तथा HFC के लिये तरलता संबंधी नयिमों में सखती](#)